श्री महावीराय नमः
श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः

जय गुरु हीरा | जय गुरु महेन्द्र | जय गुरु मान

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

रत्नम्

RNI No. RAJHIN/2015/66547

मार्गशीर्ष शुक्ला पंचमी-षष्ठी, 8-9 दिसम्बर, 2021, पीपाड़ शहर

दीक्षा-विशेषाङ्क

मुमुक्षु बन्धु-बहिन परिचय

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

दीक्षा

दीक्षा के पूर्व शिक्षा होना जरूरी है। प्रथम शिक्षा, फिर परीक्षा, फिर दीक्षा और उसके बाद भिक्षा सफल होती है। अतः अपने संत-सतीवर्ग को सुशिक्षित बनाने में सदैव प्रयत्नशील रहें। व्यावहारिक शिक्षा से जीवन अच्छे ढंग से चलाया तो जा सकता है, किन्तु बनाया नहीं जा सकता। साहित्य एवं कला भी जीवन, निखार में वरदान माने गये हैं। 'दीक्षा' शासन भक्ति के लिए किये जाने वाले कार्य की इतिश्री नहीं है, वह तो वस्तुतः साधक के लिए चरम लक्ष्य की प्राप्ति का साधन है। उसके द्वारा साधक आगे बढ़ने का परीक्षण करता है।

—नमो पुरिसवरगंधहत्थीणं से साभार

जैन भागवती दीक्षा-महोत्सव

"धर्मधरा" पीपाड़ शहर में

वि. सं. 2078 मार्गशीर्ष शुक्ला षष्ठी, गुरुवार, 09 दिसम्बर, 2021

:: पावन सान्निध्य ::

जिनशासनगौरव, आगमज्ञ, प्रवचन-प्रभाकर, व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक,
परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर पूज्य श्री 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा.,
महान् अध्यवसायी परमश्रद्धेय भावी आचार्य
श्री महेन्द्रमुनि जी म.सा. आदि ठाणा

दीक्षार्थी बन्धु परिचय

मुमुक्षु बन्धु श्री सुनिलकुमार जी गेलड़ा

जन्म तिथि-02 जनवरी, 1967 • जन्म स्थान- बोदवड़(महाराष्ट्र)
निवास स्थान -नवकार फार्मा, भास्कर मार्केट के पास,
साई बाबा मन्दिर के पीछे, जलगांव-425001 (महा.), शिक्षण- बारहवीं

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	स्व. श्री बिरदीचन्दजी गेलड़ा-स्व. श्रीमती गीताबाईजी गेलड़ा
पिता-माता	-	श्री कांतीलालजी गेलड़ा-स्व. श्रीमती शान्ताबाईजी गेलड़ा
चाचा-चाची	-	श्री इन्दरचन्दजी गेलड़ा-श्रीमती आशाबाईजी गेलड़ा
		श्री अशोकजी गेलड़ा-श्रीमती शान्ताबाईजी गेलड़ा
		श्री रमेशजी गेलड़ा-श्रीमती चन्दाबाईजी गेलड़ा
भाई-भाभी	-	श्री प्रकाशजी गेलड़ा-श्रीमती मधुबालाजी गेलड़ा
		स्व. श्री अनिलजी गेलड़ा-श्रीमती अनिताजी गेलड़ा
भुआ-भुड़ोसा	-	श्रीमती ताराबाईजी-स्व. श्री मदनलालजी
		श्रीमती सुरेखाजी-श्री सायरचन्दजी
		स्व. श्रीमती पदमबाईजी-स्व. श्री तिलोकचन्दजी
		स्व. श्रीमती शान्ताबाईजी-स्व. श्री जसराजजी
		स्व. श्रीमती प्रेमबाईजी-स्व. श्री दगडुलालजी
		श्रीमती वेबाबाईजी-श्री पुखराजजी
नाना-नानी	-	स्व. श्री किशनलालजी-स्व. श्री जतनबाईजी बोरा
मामा-मामी	-	स्व. श्री मोहनलालजी बोरा-श्रीमती कमलाबाईजी बोरा
		श्री बंशीलालजी बोरा-श्रीमती बालाबाईजी बोरा
मौसा-मौसी	-	स्व. श्री चम्पालालजी-स्व. श्रीमती मदनबाईजी
भाई/बहिन	-	श्रीमती सुशीलाजी, श्री प्रकाशजी, स्व. श्री अनिलजी, नितिनजी, योगिताजी, नवीनजी, प्रितेशजी।

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ – दशवैकालिकसूत्र (4 अध्ययन), सुखविपाकसूत्र, पुच्छिंसुणं।

सूत्र वाचनी – दशवैकालिकसूत्र

स्तोक कण्ठस्थ – 25 बोल, 67 बोल, 33 बोल, कर्मप्रकृति, गति-आगति, लघुदण्डक, पांच समिति, तीन गुप्ति, श्वासोच्छ्वास, संज्ञा।

स्तोत्र – भक्तामर, महावीराष्टक, हीराष्टक।

अन्य – हस्ती चालीसा।

वैराग्यावधि – लगभग दो वर्ष।

मुमुक्षु बन्धु श्री अंशजी हीरावत

जन्म तिथि-29 जुलाई, 1998 • जन्म स्थान- मुम्बई (महाराष्ट्र)
निवास स्थान -1101, वुड साइड, जी साउथ, गोखले रोड़, प्रभा देवी, मुम्बई-400025 (महा.) शिक्षण- बेचलर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी – श्री प्रेमचन्दजी हीरावत-श्रीमती निर्मलादेवीजी हीरावत

माता-पिता – श्री अजयजी हीरावत-श्रीमती अभिलाषाजी हीरावत

चाचा-चाची – श्री आलोकजी हीरावत-श्रीमती सोनूजी हीरावत

भाई-भाभी – श्री अमनजी हीरावत-श्रीमती सुरभिजी हीरावत

भुआ-भुड़ोसा – श्रीमती आशाजी श्रीमाल-श्री गौतमजी श्रीमाल

नाना-नानी – श्री प्रेमचन्दजी जैन-श्रीमती कान्तामालाजी जैन

मामा-मामी – श्री धर्मेन्द्रजी जैन-श्रीमती प्रभाजी जैन

मौसा-मौसी – श्री संजयजी डागा-श्रीमती तृप्तिजी डागा
श्री अरुणजी बम्ब-श्रीमती इतिश्रीजी बम्ब

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ – दशवैकालिकसूत्र, सुखविपाकसूत्र, नन्दीसूत्र, उत्तराध्ययनसूत्र (16 अध्ययन), पुच्छिसुणं।

सूत्र वाचनी – आचारांगसूत्र, ठाणांगसूत्र, समवायांगसूत्र, भगवतीसूत्र, अंतगडसूत्र, सुखविपाकसूत्र, प्रज्ञापनासूत्र, उत्तराध्ययनसूत्र, नन्दीसूत्र, दशवैकालिकसूत्र, अनुयोगद्वारसूत्र, त्रिणिछेद सूत्राणि।

स्तोक कण्ठस्थ – प्रारम्भिक थोकड़े, भगवती सूत्र, प्रज्ञापना सूत्र के अनेक थोकड़े, कर्मग्रन्थ भाग 1-6, पंच संग्रह 6-7 आदि।

स्तोत्र – भक्तामर, कल्याणमंदिर, महावीराष्टक, हीराष्टक, रत्नाकर पच्चीसी।

अन्य – कम्मपयडी, कषायपाहुड (चूर्णि जय धवला टीका) सद्धर्म मंडन, प्रवचन सारोद्धार 1-2, सिद्धान्त सार शतक, द्रव्य लोक प्रकाश, संस्कृत व्याकरण, संस्कृत साहित्य की अनेक पुस्तकें (त्रिशष्टिश्लाका पुरुष आदि)। अनेक ध्यान शिविरों में प्रतिभागी तथा ध्यान शिविरों में सेवा कार्य।

पर्युषण सेवा – 1 वर्ष

वैराग्यावधि – लगभग 2 वर्ष से अधिक।

मुमुक्षु बन्धु श्री विनयजी मेहता

जन्म तिथि- 23 मार्च, 2000 • जन्म स्थान- कोप्पल (कर्नाटक)
निवास स्थान -मुनिसुव्रत स्वामी जैन मन्दिर के सामने,
गौशाला रोड़, कोप्पल (कर्ना.), शिक्षण- सिविल इंजीनियर

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	स्व. श्रीमती कंचनबाईजी-स्व. श्री हेमराजजी बागरेचा मेहता (कोप्पल)
छोटे दादा-दादी	-	श्रीमती पारसीबाईजी-स्व. श्री दानमलजी मेहता (बैंगलोर)
माता-पिता	-	श्रीमती वीणाबाईजी-श्री रिखबचन्दजी मेहता (कोप्पल)
माता-पिता	-	श्रीमती अनिताबाईजी-स्व. श्री विमलचन्दजी मेहता (कोप्पल)
चाचा-चाची	-	श्रीमती पद्माबाईजी-श्री गौतमचन्दजी मेहता (बैंगलोर)
भाई-भाभी	-	श्रीमती पूजाजी-श्री नरेन्द्रकुमारजी मेहता (कोप्पल)
भाई	-	श्री विशालजी विमलचन्दजी मेहता, श्री प्रतीकजी गौतमचन्दजी मेहता
बहिन	-	सुश्री पूजाजी विमलचन्दजी मेहता, सुश्री प्रेक्षाजी ऋषभजी चोरड़िया(बैंगलोर)
भुआ-भुड़ोसा	-	श्रीमती किरणबाईजी-स्व. श्री प्रसन्नचन्दजी छल्लाणी (चेन्नई)
		श्रीमती सन्तोषबाईजी-श्री धर्मीचन्दजी पोकरणा (सिकंद्राबाद-हैदराबाद)
		श्रीमती मंजूबाईजी-श्री विजयराजजी सुराणा (बोलाराम-हैदराबाद)
		श्रीमती शशिकलाबाईजी-श्री यशवन्तराजजी खींचा (बैंगलोर)
		श्रीमती शकुन्तलाबाईजी-श्री सुरेशचन्दजी खाबिया (बैंगलोर)
		श्रीमती सुनिताबाईजी-श्री राजेशजी कटारिया (हैदराबाद)
नाना-नानी	-	स्व. श्रीमती कमलाबाईजी-स्व. श्री भंवरलालजी चोरडिया-दफ्तरी(हैदराबाद)
मामा-मामी	-	श्रीमती कमलाबाईजी-श्री श्रेणिकराजजी चोरडिया-दफ्तरी (हैदराबाद)
		श्रीमती निर्मलाबाईजी-श्री दिलसुखराजजी चोरडिया-दफ्तरी (हैदराबाद)
		श्रीमती वनिताबाईजी-श्री प्रदीपकुमारजी चोरडिया-दफ्तरी (हैदराबाद)
		श्रीमती राणीजी-श्री राजेन्द्रकुमारजी चोरडिया-दफ्तरी (हैदराबाद)
		श्रीमती संगीताजी-श्री दीपककुमारजी चोरडिया-दफ्तरी (हैदराबाद)
मौसा-मौसी	-	स्व. श्रीमती शकुन्तलाबाईजी-स्व. श्री रतनलालजी नाहटा (हैदराबाद)
भतीजा-भतीजी	-	चिन्मयजी, गुंजनजी, गरिमाजी नरेन्द्रकुमार मेहता

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ	-	आवश्यकसूत्र, दशवैकालिकसूत्र, नन्दीसूत्र, सुखविपाकसूत्र, उत्तराध्ययन- सूत्र (अध्ययन 1 से 11 एवं 29 वां), पुच्छिसुणं व उववाई की 22 गाथाएँ
सूत्र वाचनी	-	आवश्यकसूत्र, दशाश्रुतस्कन्ध, बृहत्कल्पसूत्र, व्यवहारसूत्र (त्रीणि छेद सूत्राणि), तत्त्वार्थसूत्र (पहला अध्ययन)
स्तोक कण्ठस्थ	-	25 बोल, 67 बोल, 33 बोल, गति-आगति, कर्म-प्रकृति, लघुदण्डक, श्वासोच्छ्वास, 5 समिति, 3 गुप्ति, संज्ञा, उपयोग, रूपी-अरूपी, जीवधड़ा, विरहद्वार, पाँचदेव, आराधनापद, अवधिपद इत्यादि.....।
स्तोत्र	-	भक्तामर, कल्याणमंदिर, महावीराष्टक, हीरागुणाष्टक, उवसग्गहरं स्तोत्र।
अन्य	-	मेरीभावना, 12 भावना, लघु साधु वन्दना, गुरु-हस्ती श्रद्धांजलि, कर्म ग्रन्थ (भाग 2,3), संस्कृत (भाग-1), प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी (10 अभ्यास)
वैराग्यावधि	-	लगभग छह माह

मुमुक्षु बन्धु श्री कर्त्तव्य जी गेलड़ा

जन्म तिथि- 04 दिसम्बर, 2001 ● जन्म स्थान- बोदवड़ (महाराष्ट्र)
निवास स्थान - नवकार फार्मा, भास्कर मार्केट के पास,
साई बाबा मंदिर के पीछे, जलगांव-425001 (महा.), शिक्षण- दसवीं

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	श्री कांतीलालजी गेलड़ा-स्व. श्रीमती शान्ताबाईजी गेलड़ा
माता-पिता	-	श्री सुनिलजी गेलड़ा-श्रीमती वनिताजी गेलड़ा
चाचा-चाची	-	श्री प्रकाशजी गेलड़ा-श्रीमती मधुजी गेलड़ा श्री अनिलजी गेलड़ा-श्रीमती अनिताजी गेलड़ा
भाई-भाभी	-	श्री आकाशजी गेलड़ा-श्रीमती खुशीजी गेलड़ा
भुआ-भुड़ोसा	-	श्रीमती सुशिलाजी खिंवसरा-श्री अशोकजी खिंवसरा
नाना-नानी	-	श्री नगिनचंदजी बेदमुथा-श्रीमती शान्ताबाईजी बेदमुथा
मामा-मामी	-	श्री पंकजजी बेदमुथा-श्रीमती रानीजी बेदमुथा श्री विनोदजी बोरा-श्रीमती सोनालीजी बोरा
मौसा-मौसी	-	श्री रमेशजी मुथा-श्रीमती अनिताजी मुथा
भाई/बहिन	-	आकाशजी, अनुजजी, आयुशजी, अक्षयजी, भावनाजी, आनन्दजी, नयनजी, महावीरजी

आगम कण्ठस्थ	-	दशवैकालिकसूत्र, नन्दीसूत्र, सुखविपाकसूत्र, अनुत्तरोववाईसूत्र, उत्तराध्ययनसूत्र (अध्ययन 1-6, 8-11, 15,16, 28, 29)।
सूत्र वाचनी	-	त्रिणिछेद सूत्राणि, अनुयोगद्वार।
स्तोक कण्ठस्थ	-	25 बोल, 67 बोल, 33 बोल, कर्मप्रकृति, लघुदण्डक, बंधीशतक, ज्ञान- लब्धि, गमा, गति-आगति, पांच समिति, तीन गुप्ति, इन्द्रियपद आदि अनेक थोकड़े, कर्मग्रंथ भाग 1 से 6।
स्तोत्र	-	भक्तामर, कल्याणमंदिर, महावीराष्टक, हीराष्टक, रत्नाकर पच्चीसी।
अन्य	-	संस्कृत व्याकरण, गुजराती, मेरी भावना
वैराग्यावधि	-	लगभग साढ़े चार वर्ष।

छिद्रों वाली नौका पार नहीं पहुंच सकती,
किन्तु जिस नौका में छिद्र नहीं है,
वही पार पहुंच सकती है।
असंयम छिद्र है, उन छिद्रों को रोकना संयम है
अर्थात् संयमी आत्मा ही संसार-सागर
को पार कर सकती है।

-उत्तराध्ययन सूत्र 23/71

दीक्षार्थी बहिन परिचय

मुमुक्षु बहिन सौ. वनिताजी गेलड़ा

जन्म तिथि- 08 सितम्बर, 1981 • जन्म स्थान- जामड़ी
निवास स्थान - नवकार फार्मा, भास्कर मार्केट के पास,
साई बाबा मंदिर के पीछे, जलगांव-425001 (महा.) शिक्षण- सातवीं

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	स्व. श्री पोपटलालजी बेदमुथा-स्व. श्रीमती बदामबाईजी बेदमुथा
माता-पिता	-	श्री नगिनचन्दजी बेदमुथा-श्रीमती शान्ताबाईजी बेदमुथा
चाचा-चाची	-	स्व. श्री पारसमलजी बेदमुथा-श्रीमती सुशीलाजी बेदमुथा श्री सुरेशजी बेदमुथा-श्रीमती ममताबाईजी बेदमुथा श्री कांतिलालजी बेदमुथा-श्रीमती अनिताजी बेदमुथा
भाई-भाभी	-	श्री पंकजजी बेदमुथा-श्रीमती रानीजी बेदमुथा श्री विनोदजी बोरा-श्रीमती सोनालीजी बोरा
भुआ-भुड़ोसा	-	श्रीमती लीलाबाईजी-श्री नयनसुखजी, श्रीमती कलाबाईजी-श्री शान्तिलालजी, श्रीमती ताराबाईजी-श्री शान्तिलालजी, श्रीमती बेबीबाईजी-श्री अरुणजी, श्रीमती गुनाबाईजी-श्री सतीशजी
नाना-नानी	-	स्व. श्री मानकचन्दजी-स्व. श्रीमती शानीबाईजी
मामा-मामी	-	स्व. श्री मोहनलालजी-श्रीमती लीलाबाईजी श्री किशनलालजी-श्रीमती सुशीलाजी
मौसा-मौसी	-	स्व. श्री कान्तिलालजी-श्रीमती मदबाईजी, श्री प्रेमचन्दजी-श्रीमती कान्ताबाईजी, श्री पन्नालालजी-श्रीमती पुष्पाबाईजी, स्व. श्री चम्पालालजी-श्रीमती निर्मलाबाईजी
भाई/बहिन	-	श्री पंकजजी, विनोदजी, अनिताजी, रिखबचन्दजी, अनिलजी, विनीतजी, दीपेशजी

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ	-	दशवैकालिक सूत्र (4 अध्ययन)
स्तोक कण्ठस्थ	-	25 बोल, पांच समिति, तीन गुप्ति।
वैराग्यावधि	-	लगभग दो वर्ष।

मुमुक्षु बहिन सुश्री रीता जी आबड़

जन्म तिथि- 28 जुलाई, 1986 • जन्म स्थान- चांगोटोला (मध्यप्रदेश)
निवास स्थान - पो. चांगोटोला, जिला- बालाघाट (मध्यप्रदेश)
शिक्षण- 12वीं

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	स्व. श्री भैरोदानजी आबड़-स्व. श्रीमती पानीदेवीजी आबड़
माता-पिता	-	श्री भीकमचन्दजी आबड़-श्रीमती झमकूबाईजी आबड़
चाचा-चाची	-	श्री चम्पालालजी आबड़-श्रीमती गंगाबाईजी आबड़

भाई-भाभी	-	श्री पंकजजी आबड़-श्रीमती ज्योतिजी आबड़
भुआ-भुड़ोसा	-	स्व. श्रीमती पुष्पाजी चोरडिया-स्व. श्री घेवरचन्दजी चोरडिया-बालाघाट
नाना-नानी	-	स्व. श्री रामलालजी कोचर-स्व. श्रीमती पानीदेवीजी कोचर-नोखामण्डी
मामा-मामी	-	श्री झंवरलालजी-श्रीमती सायरदेवीजी कोचर, स्व. श्री माणकचन्दजी-श्रीमती मैनादेवीजी कोचर, श्री सुंदरलालजी-अनोपीदेवीजी कोचर, श्री बाबुलालजी-श्रीमती शारदादेवीजी कोचर, श्री नेमीचन्दजी-श्रीमती कंचनदेवीजी कोचर
बहन-बहनोई	-	श्रीमती रजनीजी-कुलदीपजी चोरडिया-बालाघाट श्रीमती रेखाजी-कमलेशजी सांखला-साजा श्रीमती रश्मिजी-अभिषेकजी कांकरिया-दुर्ग
मौसा-मौसी	-	श्री चम्पालालजी बोथरा-श्रीमती किरणबाईजी बोथरा-लूणकरनसर
भतीजा	-	मास्टर दिव्य, मास्टर भव्य
भांजा-भांजी	-	संस्कार, अमन, बिट्टू, श्रेयांस, सृष्टि, वीरा

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ	-	पुच्छिंसुणं, सुखविपाक, दशवैकालिक, नंदीसूत्र, अणुत्तरोववाइय सूत्र, उत्तराध्ययन सूत्र 1-17, कप्पवंडसिया, पुप्फचूलिया, तत्त्वार्थ सूत्र।
स्तोक कण्ठस्थ	-	25, 67, 33 बोल, 32 बोल का बासठिया, 14 गुणस्थान का बासठिया, समिति-गुप्ति, जीवधड़ा, गति-आगति, लघुदण्डक, कायस्थिति, जीव-अजीव पज्जवा, कर्मप्रकृति, नवतत्त्व आदि थोकड़े।
स्तोत्र	-	भक्तामर, कल्याणमंदिर, महावीराष्टक, रत्नाकर पच्चीसी (हिन्दी-संस्कृत)।
वैराग्यावधि	-	लगभग 6 वर्ष

मुमुक्षु बहिन सुश्री निकिताजी गेलड़ा

जन्म तिथि- 26 अगस्त, 1992 • जन्म स्थान- चालीस गांव (महा.)
निवास स्थान - एफ-103, अजिंक्य प्लाजा,
193, गोकुलपेठ, नागपुर-440010 (महा.), शिक्षण- चार्टर्ड एकाउण्टेंट

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	श्री कांतीलालजी-स्व. श्रीमती शान्ताबाईजी गेलड़ा
माता-पिता	-	श्री प्रकाशजी-सौ. मधुबालाजी गेलड़ा
चाचा-चाची	-	स्व. श्री अनिलजी-श्रीमती अनिताजी गेलड़ा श्री सुनीलजी-श्रीमती वनिताजी गेलड़ा
भाई-भाभी	-	श्री आकाशजी-श्रीमती खुशबूजी गेलड़ा
भुआ-भुड़ोसा	-	श्रीमती सुशीलाजी खिंवसरा-श्री अशोकजी खिंवसरा
नाना-नानी	-	स्व. श्री चुन्नीलालजी रांका-श्रीमती रतनबाईजी रांका
मामा-मामी	-	श्री प्रवीणजी रांका-श्रीमती बबिताजी रांका श्री ललितजी रांका-श्रीमती लताजी रांका
मौसा-मौसी	-	श्री धनराजजी चोपड़ा-श्रीमती शशिकलाजी चोपड़ा, श्री नेमीचन्दजी श्रीश्रीमाल-श्रीमती ज्योतिबालाजी श्रीश्रीमाल स्व. श्री विलासजी कावड़िया-श्रीमती सुनिताजी कावड़िया
भ्राता-बहिन	-	आकाश, अनुज, आयुष, कर्त्तव्य, स्वप्निल, रिद्धि।

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ	-	पुच्छिसुणं, सुखविपाकसूत्र, दशवैकालिकसूत्र, नंदीसूत्र, अणुत्तरोववाइय सूत्र, उत्तराध्ययनसूत्र के कुछ अध्ययन, आवश्यकसूत्र।
सूत्र वाचनी	-	आचारांगसूत्र, चार छेद सूत्र, दशवैकालिकसूत्र, तत्त्वार्थसूत्र, द्रव्य लोक प्रकाश, जैनतत्त्व प्रकाश।
स्तोक कण्ठस्थ	-	समिति-गुप्ति, 25 बोल, 67 बोल, 33 बोल, जीव-अजीव पज्जवा, गमा, ज्ञान लब्धि, कायस्थिति, संजया-नियंठा, जीवधड़ा, बंधी शतक आदि अनेक थोकड़े, कर्मग्रंथ भाग 1-6
स्तोत्र	-	भक्तामर, कल्याणमंदिर, महावीराष्टक, रत्नाकरपच्चीसी, हीरागुणाष्टक, हस्ती चालीसा।
अन्य	-	मेरीभावना, संस्कृत भाषा ज्ञान।
वैराग्यावधि	-	लगभग 4 वर्ष

मुमुक्षु बहिन सुश्री अदितिजी जैन

जन्म तिथि- 22 मार्च, 1994 • जन्म स्थान- कोटा (राज.)
निवास स्थान - समन्वय, उखलाना रोड़, बैंक ऑफ बडौदा के पास,
पो. अलीगढ़-304023, जिला-टोंक (राज.), शिक्षण- बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	स्व. श्री चाँदमलजी जैन-श्रीमती रतनबाईजी जैन
माता-पिता	-	श्री महेन्द्रजी जैन-श्रीमती निशाजी जैन
चाचा-चाची	-	श्री नरेन्द्रजी जैन-श्रीमती रीनाजी जैन
बहन-बहनोई	-	श्रीमती अंशिमाजी-हेमन्तजी जैन श्रीमती ज्योत्सनाजी-चेतनजी जैन
भुआ-भुड़ोसा	-	स्व. श्रीमती मंजूजी-दिनेशजी जैन, श्रीमती रेखाजी-दिनेशजी जैन श्रीमती गुड्डीजी-अरविन्दजी जैन, श्रीमती ममताजी-पवनजी जैन
नाना-नानी	-	श्री बाबूलालजी जैन-श्रीमती गजराजी जैन-कोटा श्री कमलजी जैन-श्रीमती मंजूजी जैन
मामा-मामी	-	श्री विमलजी-रंजूजी जैन, श्री टीकमजी-मधूजी जैन, श्री शैलेन्द्रजी-वनिकाजी जैन, शुभम्जी जैन
भ्राता-बहिन	-	आकांशजी जैन, स्तवनजी जैन, देशनाजी, स्तुतिजी जैन

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ	-	सुखविपाकसूत्र, दशवैकालिकसूत्र, उत्तराध्ययनसूत्र, नंदीसूत्र, अनुत्तरोववाइय सूत्र, निरयावलिकापंचक, बृहत्कल्पसूत्र, आचारांगसूत्र, सूत्रकृतांगसूत्र, आवश्यकसूत्र, निशीथसूत्र, तत्त्वार्थसूत्र।
सूत्र वाचनी	-	दशवैकालिकसूत्र, तत्त्वार्थसूत्र, आचारांगसूत्र, चार छेद सूत्र, द्रव्यलोक प्रकाश, जैनतत्त्व प्रकाश।
स्तोक कण्ठस्थ	-	समिति-गुप्ति, 25 बोल, 67 बोल, जीव-अजीव पज्जवा, जीवधड़ा, बंधी, गमा, संजया-नियंठा, कायस्थिति आदि अनेक थोकड़े, कर्मग्रंथ भाग 1-6 तक।
स्तोत्र	-	भक्तामर, कल्याणमंदिर, महावीराष्टक, चिन्तामणि-पार्श्वनाथ स्तोत्रम्।

अन्य - हस्ती-हीरा चालीसा, हीरा गुणाष्टक, मेरीभावना, रत्नाकरपच्चीसी, संस्कृत भाषा का ज्ञान।

वैराग्यावधि - लगभग 3 वर्ष

मुमुक्षु बहिन सुश्री मोनिकाजी लुंकड़

जन्म तिथि- 12 जुलाई, 1994 • जन्म स्थान- बीजापुर (कर्नाटक)
निवास स्थान -किराणा बाजार, पोस्ट बीजापुर-586101 (कर्ना.)
शिक्षण- बी.बी.ए.

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी - श्रीमती सुखीदेवीजी-श्री पुखराजजी लुंकड़
माता-पिता - श्रीमती पदमादेवीजी-श्री महावीरजी लुंकड़
चाचा-चाची - श्रीमती मंजूदेवीजी-श्री रमेशजी लुंकड़
श्रीमती रेशमीदेवीजी-श्री अमृतजी लुंकड़
भाई-भाभी - श्री मोहितकुमारजी, श्रीमतीकोमलजी, श्रीशुभमजी
भुआ-भुड़ोसा - श्रीमती लतादेवीजी-श्री कान्तिलालजी बांठिया (जोधपुर)
नाना-नानी - श्रीमती भागूदेवीजी-स्व. श्री पुखराजजी चोरडिया
मामा-मामी - श्रीमती शान्तादेवीजी-श्री गौतमचन्दजी चोरडिया
श्रीमती उषादेवीजी-श्री दिनेशकुमारजी चोरडिया
मौसा-मौसी - श्रीमती मंजूदेवीजी-श्री राजेशजी भंसाली
भाई-बहिन - नवरत्नजी, भावेशजी

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ - दशवैकालिकसूत्र (1 से 5, 9 अध्ययन), उत्तराध्ययनसूत्र (1,4,10,11 अध्ययन), सुखविपाकसूत्र, पुच्छिंसुणं (वीर स्तुति)
सूत्र वाचनी - दशवैकालिकसूत्र, उत्तराध्ययनसूत्र, सुखविपाकसूत्र, आचारांगसूत्र, अणुत्तरोववाईसूत्र, उपासकदशांगसूत्र, अंतगढ़सूत्र, उववाई।
स्तोक कण्ठस्थ - कर्मग्रन्थ 1-2
स्तोत्र - भक्तामर, महावीराष्टक, हीराष्टक।
थोकड़े - 25 बोल, 67 बोल, गति-आगति, लघुदण्डक, कर्म-प्रकृति, रूपी-अरूपी, उपयोग संज्ञा, सवणे णाणे, इहभविक-परभविक, गुणस्थान स्वरूप, संयता, नियंट्ठा, 98 बोल का बासठिया, समिति-गुप्ति, 47 बोल की बंधी, 50 बोल की बंधी, 800 बोल की बंधी, अजीव पज्जवा, जयन्ति बाई का थोकड़ा, श्रमण निर्ग्रन्थ के सुख की तुल्यता, भव-भ्रमण, नवतत्त्व, 33 बोल इत्यादि।
अन्य - रत्नाकर पच्चीसी, मेरी भावना, बड़ी साधु वंदना, बारह भावना।
वैराग्यावधि - सात माह से अधिक।

जन्म लेने वाला मरण प्राप्त करता है। वह अपने साथ राज-पाट, धन-दौलत तो क्या एक सूई भी नहीं ले जा सकता। आपको यह लगे कि एक दिन आपको भी जाना पड़ेगा तो आप संयम रत्न को, चारित्र रत्न को स्वीकार करें। इतनी क्षमता नहीं तो भी व्रत-नियम लेकन जीवन बनाने की दिशा में बढ़ें।

-गुरु हीरा

मुमुक्षु बहिन सुश्री प्रियाजी संकलेचा

जन्म तिथि- 09 अगस्त, 1997 • जन्म स्थान- हरियाढाणा (पीपाड़ सिटी)
निवास स्थान - पो. हरियाढाणा, वाया पीपाड़सिटी, जिला- जोधपुर (राज.),
शिक्षण- बी.ए. अंतिम वर्ष, आर.एस.सी.आई.टी, पी.जी.डी.सी.

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	स्व. श्री पुखराजजी-स्व. श्रीमती भंवरीदेवीजी संकलेचा स्व. श्री मोतीलालजी-श्रीमती पिस्तादेवीजी संकलेचा श्री शान्तिलालजी-श्रीमती कुशलकंवरजी संकलेचा
माता-पिता	-	श्री रमेशकुमारजी-ललीतादेवीजी संकलेचा
चाचा-चाची	-	श्री सुरेशजी-शान्तीदेवीजी, श्री राजेन्द्रजी-इन्द्रादेवीजी श्री अशोकजी-किरणदेवीजी संकलेचा
भाई	-	श्री सिद्धार्थजी-पदमजी, महावीरजी, संजुजी, सुनीलजी, जितेन्द्रजी
भुआ-भुड़ोसा	-	श्रीमती उषाजी, सुषमाजी, राजुजी, रेखाजी
नाना-नानी	-	श्री भंवरलालजी सुराणा-श्रीमती अमरावदेवीजी सुराणा
मामा-मामी	-	श्री संतोषजी-संतोषदेवीजी, श्री कमलेशजी-दिलखुशजी, श्री महेन्द्रजी- मोनाजी, श्री मुकेशजी, जम्बूजी, दिनेशजी, राकेशजी- सुहानीजी सुराणा
मौसा-मौसी	-	श्री पप्पुसा-पुष्पादेवीजी, श्री प्रकाशजी पारख-आशाजी पारख
भ्राता-बहिन	-	सुश्री तनिषाजी, कविताजी, आरतीजी, अन्जुजी, मोनाजी

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ	-	दशवैकालिक, उत्तराध्ययन, नंदीसूत्र, सुखविपाक, अनुत्तरोववाइय, आचारांग-प्रथम श्रुतस्कन्ध, निरयावलिका, कप्पवडंसिया, पुप्फिया, पूप्फचूलिया, वण्हिदशा, वृहत्कल्प, दशाश्रुतस्कन्ध, व्यवहार सूत्र, अंतगढ सूत्र, आवश्यकसूत्र, उववाई की 22 गाथा, पुच्छिसुणं।
सूत्र वाचनी	-	अन्तगढ सूत्र, उत्तराध्ययन सूत्र
स्तोक कण्ठस्थ	-	25,33,67,98,102,32,14 आदि बोल व बासठिया, लघुदण्डक, जीवधड़ा, कर्मप्रकृति, जीवपज्जवा, अजीवपज्जवा, गुणस्थान स्वरूप, कायस्थिति, गमा, संजया, नियंठा, ज्ञानलब्धि, द्रव्येन्द्रिय, 47,50,800 की बंधी, समिति-गुप्ति, थोक संग्रह- 5 वां भाग (यानि भगवती सूत्र के 1-9 शतक के लगभग 100 थोकड़े) आदि लगभग 150 थोकड़े, कर्मग्रन्थ भाग 1-6 तक।
स्तोत्र	-	भक्तामर, कल्याणमंदिर, तत्त्वार्थ, महावीराष्टक, हीरागुणाष्टकम् (हिन्दी में), मेरी भावना, हस्ती-हीरा चालीसा।
भाषा	-	हिन्दी, अंग्रेजी, गुजराती।
पर्युषण सेवा	-	2 वर्ष
विशेष रुचि	-	भजन गाना और सुनना
वैराग्यावधि	-	4 वर्ष

क्षुधा शांत करने वाले अन्न अनेक हैं, लज्जा निवारण के लिए परिधान अनेक हैं तो रोग मिटाने के लिए दवा भी अनेक हैं, पर जन्म-मरण से छुटकारे की कोई दवा है तो वह है "संयम"।

-गुरु महेन्द्र

मुमुक्षु बहिन सुश्री प्रियलजी जरगड़

जन्म तिथि- 22 दिसम्बर, 1997 • जन्म स्थान- जयपुर (राज.)
निवास स्थान - ए-39, 602-रॉयल पेरेडाइज, कृष्णा विद्यालय मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.), शिक्षण- बी.ए.

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	स्व. श्री महावीरचन्दजी जरगड़-स्व. श्रीमती पुष्पादेवीजी जरगड़
बड़े माता-पिता	-	स्व. श्री सुभाषचन्दजी जरगड़-श्रीमती तनुजाजी जरगड़
माता-पिता	-	श्री कुशलचन्दजी जरगड़-श्रीमती अंजूदेवीजी जरगड़
भुआ-भुड़ोसा	-	श्रीमती चन्दाजी बुरड़-श्री धनपतजी बुरड़
नाना-नानी	-	स्व. श्री ताराचन्दजी कोठारी-श्रीमती संतोषदेवीजी कोठारी
मामा-मामी	-	श्री संजयजी कोठारी-श्रीमती जूलीजी कोठारी
मौसा-मौसी	-	श्री मनोजजी जैन-श्रीमती कविताजी जैन
भाई-बहिन	-	सलोनीजी, प्रेक्षाजी जरगड़, श्रेयाजी, श्रुतिजी, समृद्धिजी

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ	-	दशवैकालिक सूत्र, उत्तराध्ययन सूत्र (1 से 11 अध्ययन)
सूत्र वाचनी	-	भगवती सूत्र, प्रज्ञापना सूत्र, सूत्रकृतांग सूत्र, समवायांग सूत्र, अनुयोगद्वार सूत्र, अंतगडदशांग सूत्र, सुखविपाक सूत्र, दशा सूत्र स्कन्ध, दशवैकालिक सूत्र,आचारांग सूत्र द्वितीय सूत्र स्कन्ध।
स्तोक कण्ठस्थ	:	भगवती और पन्नवणा के सभी थोकड़े, ढाला-पाला का थोकड़ा, सिद्ध का थोकड़ा, नवतत्त्व, गति-आगति, गुणस्थान स्वरूप, कर्मग्रन्थ 1 से 6, पंच संग्रह भाग 1 से 10 तक।
स्तोत्र	-	भक्तामर, कल्याणमंदिर, महावीराष्टक आदि।
पर्युषण सेवा	-	एक वर्ष
वैराग्यावधि	-	1.5 वर्ष

मुमुक्षु बहिन सुश्री कल्याणीजी जैन

जन्म तिथि- 04 जून, 2000 • जन्म स्थान- धुलिया (महा.)
निवास स्थान - धुलिया (महा.),
शिक्षण- इंटीरियर डिजाइनिंग द्वितीय वर्ष

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी	-	श्री शेषमलजी मुणोत-श्रीमती कंचनबाईजी मुणोत
माता-पिता	-	श्री दीपकजी मुणोत-श्रीमती शीतलजी मुणोत
बडे पापा-बडी मम्मी	-	श्री किशोरजी मुणोत-श्रीमती मीनाक्षीजी मुणोत
भुआ-भुड़ोसा	-	श्रीमती छायाजी ओस्तवाल-श्री अनिलजी ओस्तवाल
नाना-नानी	-	श्री तेजमलजी लोढ़ा-श्रीमती कमलाबाईजी लोढ़ा
मामा-मामी	-	श्री ऋषभजी लोढ़ा-श्रीमती गीताजी लोढ़ा
मौसा-मौसी	-	श्रीमती वैशालीजी पारख-श्री सचिनजी पारख
भाई-भाभी	-	श्री सूचितजी मुणोत-श्रीमती प्रियाजी मुणोत

श्री अक्षयजी ओस्तवाल, श्री अनिलजी ओस्तवाल
श्री अक्षयजी ओस्तवाल-श्रीमती निशाजी ओस्तवाल
भाई-बहिन - सुश्री निशिकाजी मुणोत, श्री प्रितमजी ओस्तवाल

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ - उत्तराध्ययनसूत्र, नंदी सूत्र, सुखविपाक, दशवैकालिक (5 अध्ययन), बृहत्कल्प, दशाश्रुत स्कन्ध 5 दशा तक।
सूत्र वाचनी - अन्तगड सूत्र, नंदी सूत्र, दशवैकालिक (5 अध्ययन), आचारांग सूत्र
थोकड़े - शिक्षण बोर्ड की 4 कक्षा उत्तीर्ण, कर्म प्रकृति, गति-आगति, जीवधड़ा, गमा, 2 कर्मग्रंथ, जीव पज्जवा, अजीव पज्जवा, गुणस्थान स्वरूप, संजया-नियंठा आदि।
अन्य - तत्त्वार्थसूत्र के 10 अध्ययन, दशवैकालिक 2 चुलिका, चउसरण पइण्णा।
वैराग्यावधि - 2 वर्ष
पर्युषण सेवा - 1 वर्ष

मुमुक्षु बहिन सुश्री श्रुतिजी नागसेठिया

जन्म तिथि- 30 जून, 2003 जन्म स्थान- धुलिया (महाराष्ट्र)
निवास स्थान - 31, समर्थ नगर, करवंद नाका,
पो. शिरपुर-425405, जिला-धुलिया (महा.), शिक्षण- दसवीं

पारिवारिक परिचय

दादा-दादी - श्री हुकमचन्दजी-श्रीमती कंचनदेवीजी नागसेठिया
माता-पिता - श्री सागरमलजी-श्रीमती सपनाबाईजी नागसेठिया
चाचा-चाची - श्री पीयूषकुमारजी-श्रीमती किरणबाईजी नागसेठिया
भाई - श्री हर्षजी सेठिया
भुआ-भुड़ोसा - श्रीमती रेखाजी-अशोकचन्दजी बोरा, श्रीमती मेघाजी-राजेन्द्रजी कोटडिया
श्रीमती छायाजी-सुनीलजी सुराणा
नाना-नानी - श्री सुभाषचन्दजी बोरा-श्रीमती विमलाबाईजी बोरा
मामा-मामी - श्री प्रवीणचन्दजी बोरा-श्रीमती निशाजी बोरा
मौसा-मौसी - श्री रामचंदजी कर्नावट-श्रीमती मनीषाजी कर्नावट
बहन-बहनोई - श्रीमती श्रेया-भाविनजी चोरडिया, श्रीमती सांची-परेशजी अलीझाड़

धार्मिक अध्ययन

आगम कण्ठस्थ - पुच्छिसुणं, उववाई की 22 गाथाएँ, सुखविपाकसूत्र, दशवैकालिकसूत्र, नंदीसूत्र,कप्पवडंसिया, वण्हिदसा, उत्तराध्ययन (1-4, 28 से 31) अध्ययन।
सूत्र वाचनी - दशवैकालिकसूत्र, तत्त्वार्थसूत्र, आचारांगसूत्र, चार छेद सूत्र, द्रव्यलोक- प्रकाश, जैनतत्त्वप्रकाश।
स्तोक कण्ठस्थ - समिति-गुप्ति, 25 बोल, 67 बोल, 33 बोल, कर्मग्रंथ भाग 1-6, जीव-अजीव पज्जवा, गमा, ज्ञान लब्धि,कायस्थिति, संजया-नियंठा, द्रव्येन्द्रिय, रत्नस्तोक मंजुषा आदि अनेक थोकड़े।
स्तोत्र - भक्तामर, कल्याणमंदिर, महावीराष्टक, मेरीभावना, हस्ती-चालीसा, रत्नाकर पच्चीसी।
अन्य - तत्त्वार्थसूत्र, संस्कृत भाषा ज्ञान।
वैराग्यावधि - लगभग 3 वर्ष

दीक्षा महोत्सव-कार्यक्रम

वि. सं. 2078 मार्गशीर्ष शुक्ला पंचमी, बुधवार, 08 दिसम्बर, 2021

शोभा यात्रा

प्रातः 8.45 बजे परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा., परमश्रद्धेय भावी आचार्य श्री महेन्द्रमुनि जी म.सा. प्रभृति संत-सतीवृन्द के श्रीचरणों में पहुँचकर दीक्षार्थी भाई-बहिन मांगलिक श्रवण करेंगे तत्पश्चात् ओसवाल भवन से शोभायात्रा प्रारम्भ होगी।

अभिनन्दन समारोह

वीर परिवार एवं दीक्षार्थियों का

समय : दोपहर 1.00 बजे

स्थान : श्री ओसवाल लोड़े साजन विकास केन्द्र (कोट)

- मुख्य अतिथि – माननीय श्री शांतिकुमार जी धारीवाल
  नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत्त शासन एवं संसदीय कार्य मंत्री- राजस्थान सरकार
- विशिष्ट अतिथि – माननीय श्री मोफतराज जी मुणोत
  संयोजक-संघ संरक्षक मण्डल
  – माननीय श्री धनरूपचन्द जी मेहता
  वरिष्ठ समाज-सेवी
- अध्यक्षता – श्री प्रकाश जी टाटिया
  राष्ट्रीय अध्यक्ष - अ. भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर

वि. सं. 2078 मार्गशीर्ष शुक्ला षष्ठी, गुरुवार,09 दिसम्बर, 2021

अभिनिष्क्रमण यात्रा

प्रातः 09.00 बजे, वीर परिवारों के अस्थायी निवास स्थान से प्रस्थान कर दीक्षा स्थल पर पहुँचेगी, जहाँ परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्र जी म.सा. , परमश्रद्धेय भावी आचार्य श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि संत-सतीमण्डल के पावन सान्निध्य में दीक्षा-महोत्सव कार्यक्रम प्रारम्भ होगा।

दीक्षा कार्यक्रम

पूर्वाह्न 11.30 बजे से

स्थान : श्री ओसवाल लोड़े साजन विकास केन्द्र (कोट)

संयम का पाठ पढ़ा है

(तर्ज- थोड़ा सा प्यार....)

संयम का पाठ पढ़ा है, अभी चलना है बाकी,
मुमुक्षु भूल न जाना, अभी मंजिल है बाकी।।टेर।।

विकारों का वमन हो, विषय से हो विरक्ति,
जन्म ना हो दुबारा, लक्ष्य बस एक मुक्ति।
अहम और मम ना आए, अभी तजना है बाकी।।1।।

भेद दृष्टि जगे अन्तर, करो विश्वास शाश्वत पर,
है सारा खेल पुद्गल का, कौन किसका है यहां पर।
मैं तो बस आत्मा हूं, अभी अनुभव है बाकी।।2।।

समर्पण और निष्ठा से, जिनाज्ञा में ही रहना,
साधना आप ही बोले, प्रखर हो आचरण इतना।
जगे वैराग्य दर्शक का, अभी तपना है बाकी।।3।।

आत्म-भावों में रमना, साध्य पाकर ही रहना,
सदा उत्साह रखना, नहीं विपदा से डरना।
प्रभु 'गौतम' से कहते, अभी तिरना है बाकी।।4।।

संघ एवं संघीय संस्थाओं की वार्षिक आमसभा, गुणी अभिनन्दन तथा संचालन समिति एवं कार्यकारिणी बैठक का आयोजन 22-23 जनवरी 2022 को पीपाड़ शहर में

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गुणी-अभिनन्दन समारोह, संघ की संचालन समिति एवं कार्यकारिणी बैठक तथा संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं की संयुक्तवार्षिक साधारण सभा का आयोजन शनिवार एवं रविवार, दिनांक 22-23 जनवरी 2022 को पीपाड़ सिटी, जिला-जोधपुर (राज.) में किया जा रहा है, जिसमें सभी संघ सदस्य सादर आमंत्रित है। विवरण निम्नानुसार है-

गुणी अभिनन्दन समारोह – संघ द्वारा प्रदेय सम्मान
(22 जनवरी, 2022, दोपहर 11.30 बजे से)

(1) आचार्य हस्ती-स्मृति सम्मान

(2) युवा प्रतिभा-शोध साधना-सेवा-सम्मान (45 वर्ष की आयु तक)

(3) विशिष्ट स्वाध्यायी सम्मान

(4) न्यायमूर्ति श्री श्रीकृष्णमल लोढ़ा स्मृति युवा शिक्षा प्रतिभा सम्मान

(5) डॉ. बिमला भण्डारी जैन रत्न शोध सम्मान

श्रावक संघ की संचालन समिति एवं कार्यकारिणी बैठक

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ की संचालन समिति एवं कार्यकारिणी की बैठक शनिवार, दिनांक 22 जनवरी, 2022 को मध्याह्न 2.30 बजे रखी गई है। सभी कार्यकारिणी सदस्य सादर आमंत्रित है।

संघ एवं संघीय संस्थाओं की संयुक्त वार्षिक आमसभा एवं सम्मान कार्यक्रम
(23 जनवरी, 2022, दोपहर 12.00 बजे से)

संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं की वार्षिक साधारण सभा एवं संघ में विशिष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले श्रावक-श्राविकाओं का सम्मान कार्यक्रम रविवार, 23 जनवरी 2022 को दोपहर 12.00 बजे पीपाड़ सिटी, जिला-जोधपुर (राज.) में आयोजित किया जा रहा है। वार्षिक साधारण सभा में विचारणीय बिन्दु इस प्रकार है-

1. मंगलाचरण
2. स्वागत- राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय द्वारा
3. गत आमसभा बैठक की कार्यवाही का पठन, अनुमोदन तथा प्रगति की जानकारी।
4. गत संचालन समिति/कार्यकारिणी की बैठक में लिए गये निर्णयों एवं सुझावों की जानकारी।
5. कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित संघ व संघ की सहयोगी संस्थाओं के त्रिवार्षिक प्रतिवेदन का अनुमोदन।
6. संघ व संघ की संस्थाओं की कार्यकारिणियों द्वारा स्वीकृत वर्ष 2020-2021 के अंकेक्षित वास्तविक आय-व्यय एवं वर्ष 2021-2022 के प्रस्तावित बजट का अनुमोदन।
7. अंकेक्षक की नियुक्ति।
8. संघ की सहयोगी संस्थाओं के अध्यक्षगणों एवं संयोजकों द्वारा अभिव्यक्ति।
9. विशिष्ट संघ-सेवियों का सम्मान कार्यक्रम।
10. राष्ट्रीय संघाध्यक्ष महोदय द्वारा अभिव्यक्ति।
11. शासन सेवा समिति संयोजक द्वारा अभिव्यक्ति।
12. संघ संरक्षक मण्डल संयोजक द्वारा अभिव्यक्ति।
13. वर्ष 2021-2024 की समयावधि के लिये संघ संरक्षक मण्डल द्वारा प्रस्तावित नये राष्ट्रीय संघाध्यक्ष एवं सहयोगी संस्थाओं के अध्यक्षों के नामों की पुष्टि।
14. नये राष्ट्रीय संघाध्यक्ष महोदय द्वारा अभिव्यक्ति।
15. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञा से।
16. धन्यवाद- संघ महामंत्री द्वारा।

संघ के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि संघहित में अपने लिखित सुझाव संघ के प्रधान कार्यालय को 10 जनवरी 2022 तक भेजने की कृपा करें। संघहित के उपयोगी सुझावों पर यथोचित विचार एवं निर्णय करने का प्रयास रहेगा। संघ-सदस्यों को साधारण सभा में भाग लेने हेतु आप अपने क्षेत्रों में भी अवश्य सूचना करें।

-धनपत सेठिया,महामंत्री,
अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ,सामायिक-स्वाध्याय भवन,
प्लॉट नं. 2,नेहरू पार्क,जोधपुर-342003 (राज.),फोन नं. 0291-2636163